

खबर संक्षेप

जिम्मेदारी पद नहीं, सनातन संस्कृति की सेवा का दायित्व

बस्तर। सीताराम मानस संगठन छत्तीसगढ़ के बस्तर ब्लॉक के नवनियुक्त पदाधिकारियों को जिला अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य शकुन्तला कश्यप ने बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि संगठन में मिली जिम्मेदारी केवल पद नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और सामाजिक संस्कारों की सेवा का दायित्व है। सभी पदाधिकारी निष्ठा और सेवा भाव से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीरामचंद्र जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाएं।

शकुन्तला कश्यप ने कहा कि भागवान श्रीराम का जीवन सत्य, त्याग, कर्तव्य और अनुशासन की प्रेरणा देता है। श्रीराम के आदर्शों को धार्मिक आयोजनों तक सीमित न रखकर जीवन में अपनाना चाहिए। नई पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ना हम सबकी जिम्मेदारी है। रामचरितमानस पाठ, भजन-कीर्तन व धार्मिक आयोजनों से समाज में सद्भाव, संस्कार और आपसी भाईचारा मजबूत होता है। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि संगठन की मजबूती एकजुटता और सक्रियता पर निर्भर है। सभी आपसी समन्वय से कार्य करें और संगठन की गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाएं।

मन की बात कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण गीदम। आगामी दिनों में छिंदनार में प्रस्तावित ‘मन की बात’ कार्यक्रम में प्रदेश के वन तथा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप शामिल होंगे। कार्यक्रम के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने छिंदनार पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया। कार्यक्रम ने कार्यक्रम स्थल पर बिजली, माइक, टेंट, बैठक व्यवस्था और पेयजल जैसी सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम और जनपद पंचायत गीदम के सीईओ को व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपते हुए आपसी समन्वय से कार्य करने को कहा। इस दौरान तैयारियों को समय पर पूरा करने और निरंतर निगरानी रखने की हिदायत दी गई।

एनएमडीसी बचेली में सतर्कता जागरूकता अभियान शुरू



बचेली। केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार एनएमडीसी लिमिटेड के बीआईओएम बचेली परिसर में तीन दिवसीय सतर्कता जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई है। समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा विषय पर आधारित यह विशेष अभियान 17 अगस्त से 16 नवंबर तक संचालित किया जाएगा। इसके तहत आयोग द्वारा चिन्हित पांच प्रमुख क्षेत्रों लंबित शिकायतों व मामलों का निपटान, क्षमता निर्माण, डिजिटल पहल और अनुबंध प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अभियान के तहत सरकारी ई-मार्केटप्लेस की नई सुविधाओं पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य सरकारी खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता, जवाबदेही और अधिकारियों की कार्यकुशलता को बढ़ाना है।

निधन

अमर चंद सांखला

जगदलपुर। नगर के व्यवसायी तथा भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता अमर चंद सांखला (62) का उपचर के दौरान रायपुर में निधन हो गया है। वे भाजपा मंडल भानपुरी के अध्यक्ष प्रवीण सांखला के चाचा थे। अंतिम यात्रा 29 अगस्त को प्रातः 9:30 बजे गृह निवास, दुर्गा चौक नेताजी सुभाष बाड़ जगदलपुर से मुक्तिदास के लिए निकलेगी। वे भरापूर परिवार छोड़ गए।

रक्षाबंधन पर बहनों ने बांधी कलाई पर राखी और सुरक्षा का लिया वचन

कभी बंदूक उठाने वाले हाथ अब बंधवा रहे राखी



लीलाधर राठी ►► सुकमा

कभी बीहड़ों में रहकर खुनखराबे के साथ जीवन बसर करने वाली जिंदगी जहां त्यौहार का मतलब ही शुन्य होता था जहां सिर्फ और सिर्फ दहशत फैलाना ही मकसद होता था वही लोग आज बहनों की सुरक्षा देने

■ दहशत का रास्ता छोड़ समाज की मुख्यधारा में लौटे बड़े कैडर के आत्मसमर्पित नक्सली

आवासीय विद्यालय की बालिकाओं ने जवानों को बांधी राखी

हरिभूमि न्यूज ►► मंडे

भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह के प्रतीक पावन पर्व रक्षाबंधन को ए/22 बटालियन कैम्प परिसर संगमपल्ली में धूमधाम के साथ मनाया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय संगमपल्ली तथा कैप के आसपास

■ संगमपल्ली सीआरपीएफ कैम्प में रक्षाबंधन की धूम

के गांवों की नन्ही बालिकाओं ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। बालिकाओं ने देश की सुरक्षा में तैनात कैम्प के जवानों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा, उन्हें तिलक लगाया और मिठाई खिलाकर उनके सुरक्षित जीवन की कामना की। राखी बांधने के तत्पश्चात जवानों ने अपनी इन छोटी बहनों को उपहार देकर सम्मानित किया और उनके लिए जलपान की व्यवस्था

की। इस भावुक पल के दौरान जवानों ने सभी बहनों को आश्वासन दिया और इस पूरे इलाके में हमेशा अमन, चैन और भाईचारे के साथ शांति का माहौल बनाए रखने का अटूट भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर 22वीं बटालियन सीआरपीएफ के द्वितीय कमान अधिकारी संजीव कुमार सिंह, ए/22 बटालियन सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट मनोज कुमार तथा

विद्यालय की प्रभारी सुशीला मंडे सहित सीआरपीएफ के अधीनस्थ अधिकारी, जवान और ग्रामीण उपस्थित रहे।

सुरक्षात्मक वातावरण से बढ़ा जनता का विश्वास

क्षेत्र में तैनात सुरक्षा बलों द्वारा आम जनता के बीच लगातार कायम किए जा रहे सुरक्षात्मक और विश्वासपूर्ण वातावरण का ही यह

बच्चों ने पौधों को रक्षा सूत्र बांधकर लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ►► गोंड

विकासखंड बस्तर के संकुल केंद्र तालूर अंतर्गत प्राथमिक शाला मांझीगुड़ा में रक्षाबंधन पर्व बेहद अनूठे और प्रेरणादायी अंदाज में मनाया गया। शाला के नन्हे भैया-बहनों ने पर्यावरण संरक्षण की मिसाल पेश करते हुए परिसर में लगे पेड़-पौधों को अपना भाई माना और उन्हें रक्षा सूत्र बांधकर उनकी नियमित देखरेख व सुरक्षा करने का संकल्प लिया।

बच्चों ने पौधों को नियमित पानी देने और सुरक्षित रखने का वचन देते हुए संदेश दिया कि रिश्ते केवल इंसानों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रकृति के साथ भी हमारा गहरा नाता



है। बच्चों की इस भावुक पहल ने पूरे शाला परिसर को पर्यावरण चेतना के संदेश से सराबोर कर दिया।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने कहा कि बच्चों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने वाली ऐसी गतिविधियां उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाती हैं। नन्हे हाथों से पौधों को बांधा गया यह रक्षा सूत्र पर्यावरण की रक्षा का मजबूत संकल्प बन गया है। इस अनूठी पहल की ग्रामीणों व पालकों ने सराहना करते हुए कहा कि आज के ये नन्हे पर्यावरण प्रहरी ही आने वाले कल को हरा-भरा और सुरक्षित बनाएंगे।

विज्ञान संगोष्ठी में सेजेस कारली की शैलू वेक ने मारी बाजी



हरिभूमि न्यूज ►► गीदम

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विकासखंड स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भारतीय ऊर्जा परिदृश्य 2047: संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी में विकासखंड के 33 संकुलों के बाल वैज्ञानिकों ने बड़े उत्साह के साथ अपनी प्रस्तुतियां दीं। कड़े मुकाबले के बीच निर्णायक मंडल द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार, सेजेस कारली की छात्रा शैलू वेक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गीदम की कु. अनम सिद्दीकी द्वितीय तथा

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आकाश नगर कासोली के मनोज कुमार तृतीय स्थान पर रहे। विजेता प्रतिभागियों को विकासखंड शिक्षा अधिकारी गीदम, संस्था के प्राचार्य अवधेश कुमार अवस्थी एवं वरिष्ठ व्याख्याता राकेश मिश्रा ने बधाई व प्रशस्ति पत्र देकर शुभकामनाएं दीं।

विकासखंड स्तर पर प्रथम व द्वितीय स्थान पाने वाले विद्यार्थी अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता में गीदम का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी, केशव स्वर्ण एवं नितिन विश्वकर्मा का विशेष योगदान रहा, जबकि मंच संचालन योगेश सोनी द्वारा किया गया।



युवाओं ने कहा- पुनर्वास नीति ने अतीत से निकालकर दिया सम्मानजनक जीवन

मुख्यधारा में लौटे युवाओं ने पुनर्वास केंद्र में मनाया रक्षाबंधन

हरिभूमि न्यूज ►► बीजापुर

कभी हिंसा, भय और अनिश्चितता के साये में जीवन जीने वाले पुनर्वासित युवाओं के लिए इस बार का रक्षाबंधन एक नई जिंदगी के आगाज का उत्सव बन गया। पुनर्वास केंद्र बीजापुर में माओवाद का रास्ता छोड़कर

■ बहनों ने भाइयों को बांधी राखी, मुख्यमंत्री का जताया आभार

समाज की मुख्यधारा से जुड़ चुके पुनर्वासित भाई-बहनों ने आत्मीयता और उमंग के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। कार्यक्रम के दौरान पूरा वातावरण भावनाओं और भारी उत्साह से सराबोर नजर आया। यहाँ पुनर्वासित बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी, तिलक लगाया और मिठाई खिलाकर उनके सुखद एवं सुरक्षित भविष्य



की मंगलकामना की। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों की रक्षा, सम्मान और हर विपरीत परिस्थिति में साथ निभाने का पवित्र संकल्प लिया। इस विशेष अवसर पर पुनर्वासित युवाओं ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासन की



सुदृढ़ पुनर्वास नीति ने उन्हें अतीत के काले पन्नों से बाहर निकालकर सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य के साथ जीवन जीने का एक नया अवसर दिया है। युवाओं ने भावुक होते हुए कहा कि आज वे अपने परिवार और समाज के बीच बिना किसी भय के स्वतंत्र जीवन जी रहे हैं। उनके लिए यह

बंदूक छोड़ हाथों में सजा रक्षा सूत्र

इस अवसर पर बंधी राखियां केवल भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने क्षेत्र में शांति, भाईचारे, विश्वास और सामाजिक पुनर्स्थापना का एक बड़ा संदेश भी दिया। वास्तव में, जिन हाथों ने कभी मजबूरी या गुमराह होकर हिंसा और मय का रास्ता देखा था, वही हाथ अब राखी के पवित्र धागे से सामाजिक रिश्तों और आपसी विश्वास को मजबूत कर रहे हैं। पुनर्वास केंद्र बीजापुर में मनाया गया यह रक्षाबंधन उन युवाओं की बदलती जिंदगी की कहानी कह गया, जिन्होंने माओवाद के अंधेरे को पीछे छोड़कर शांति और विकास की राह चुनी है। उनका यह पहला रक्षाबंधन आत्मसम्मान, भयमुक्त जीवन और सुखद भविष्य की नई शुरुआत का प्रतीक बन गया।

सकारात्मक बदलाव किसी नई जिंदगी से कम नहीं है। उन्होंने शासन की ओर से मिले निरंतर

पुनर्वास नीति से बदला जीवन

माओवाद का रास्ता छोड़कर लौटे इन युवाओं को पुनर्वास नीति के माध्यम से सम्मानजनक जीवन जीने, स्वरोजगार अपनाने, शिक्षा एवं कौशल विकास से जुड़ने और समाज में पुनः स्थापित होने का बेहतरीन अवसर मिल रहा है। प्रशासन का यह पुनर्वास केंद्र उनके लिए केवल आश्रय का स्थान नहीं, बल्कि नई जिंदगी की शुरुआत का केंद्र बन रहा है। कई युवाओं के लिए यह पहला ऐसा अवसर था, जिसे उन्होंने डर से दूर, पूर्ण स्वतंत्रता के वातावरण में मनाया। राखी के इस पावन पर्व पर पुनर्वासित बहनों का अपने भाइयों की कलाई पर बांधा गया रक्षा सूत्र समाज को यही संदेश देता है ‘हिंसा का रास्ता छोड़, अपनी कां चला जोड़; अब शांति, सम्मान और विश्वास के साथ नया भविष्य गढ़ना है।’

सहयोग और पुनर्वास के इस अवसर को अपने जीवन का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ बताया।

नगर में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व, बहनों ने बांधी भाई की कलाई पर राखी

हरिभूमि न्यूज ►► गीदम

नगर में रक्षाबंधन का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और परंपरागत तरीके से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके मंगलमय भविष्य और दीर्घायु की कामना की, वहीं भाइयों ने अपनी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उन्हें उपहार भेंट किए। नगर से लेकर गांव तक रक्षाबंधन का उत्साह देखते ही बन रहा था। रक्षाबंधन के इस पवित्र पर्व को लेकर सुबह से ही नगर के मंदिरों में भीड़ उमड़ी रही। बहनों ने अपने इष्ट देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर भाइयों के सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। इसके बाद घर-घर में पारंपरिक रीति से त्योहार मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर रोली और हल्दी का टीका लगाकर उनकी आरती उतारी और कलाई पर



रक्षा सूत्र बांधा। इस पूरे परंपरागत प्रक्रिया ने माहौल को भावनात्मक और उत्साहपूर्ण बना दिया। रक्षाबंधन श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला भाई-बहन के अटूट प्रेम और सौहार्द का पर्व है। यह पर्व न केवल प्रेम और विश्वास का प्रतीक है, बल्कि भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण लोक पर्व भी है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र, सुख, शांति और समृद्धि की कामना करती हैं।

दिनभर बाजारों में भी रौनक बनी रही। मिठाई की दुकानों, राखी और उपहार की दुकानों में सुबह से भीड़ देखी गई। बहनें अपने भाइयों के लिए सुंदर राखियां और मिठाइयां खरीदती नजर आईं। बहनों और भाइयों के चेहरों पर खुशी और प्रेम का भाव झलक रहा था। रक्षाबंधन सिर्फ भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नारी अस्मिता, सुविधा और सुरक्षा का संदेश भी देता है।

विद्यार्थियों ने अपने हाथों से बनाई पर्यावरण-अनुकूल कलात्मक राखियां



हरिभूमि न्यूज ►► बस्तर

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, करमरी में रक्षाबंधन का पावन पर्व बेहद उत्साह एवं उल्लास के साथ

■ शिक्षकों व विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों की रचनात्मकता और राष्ट्रभक्ति की सराहना की

मनाया गया। इस अवसर पर कक्षा तीसरी से लेकर 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने स्वयं अपने हाथों से बेहद खूबसूरत और कलात्मक राखियां बनाकर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया और प्रेम, स्नेह व

विश्वास के इस प्रतीक पवित्र रक्षा-सूत्र को भाइयों की कलाई पर बांधा। पर्व के अंतर्गत स्कूल में एक विशेष राखी निर्माण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों, अनूठे डिजाइनों और पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का

उपयोग कर आकर्षक राखियां तैयार कीं। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सृजनात्मकता को बढ़ावा देना, भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान जगाना तथा पारंपरिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना था। इस वर्ष के कार्यक्रम का एक सबसे विशेष

खबर संक्षेप

मांसी आईटीआई के 10 प्रशिक्षुओं ने प्रावीण्य सूची में बनाई जगह

गौदम। एनएमडीसी डीएवी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मांसी के प्रशिक्षुओं ने अखिल भारतीय व्यवसायिक परीक्षा 2025-26 में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। संस्थान के कुल 10 प्रशिक्षुओं ने छत्तीसगढ़ राज्य स्तर पर टॉप-10 (शीर्ष दस) स्थानों में जगह बनाकर अपनी प्रतिभा और उत्कृष्ट प्रशिक्षण का लौहा मनवाया है। सफलता अर्जित करने वाले होनहारों में मैकेनिक मोटर व्हीकल (अंतिम वर्ष) से प्रोताम दास ने प्रथम, रुद्र प्रताप दुर्गा ने द्वितीय तथा हर्ष कुमार ने सातवां स्थान पाया। इसी देड़ के प्रथम वर्ष में सदीप सोना ने प्रथम, मोतीराम ने छठवां व विशाल ने नौवां स्थान प्राप्त किया। डीजल मैकेनिक में देवकुमार साहू तृतीय, वेल्ट्ज़ में रिया शर्मा आठवां तथा इलेक्ट्रीशियन (प्रथम वर्ष) में बुधराम तृतीय व स्नेह मंडल दसवें स्थान पर रही। इस असाधारण गौरव पर संस्थान प्रबंधन ने सभी होनहारों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

छात्राओं को मिली सरस्वती साइकिल



जगदलपुर। मगतसिंह हायर सेकेंडरी स्कूल में निःशुल्क सरस्वती साइकिल वितरण कार्यक्रम रखा गया। जिसमें नगर निगम के महापौर संजय पांडे, समापति खेमसिंह देवांगन, एमआईसी निर्मल पाणीगहरी, लक्ष्मण झा, जिला शिक्षा अधिकारी बलीराम बघेल, राजेश गुप्ता, सहायक खंड शिक्षा अधिकारी एवं निगम के पक्षाधिकारी उपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी श्री बघेल द्वारा निःशुल्क सरस्वती साइकिल योजना से बच्चों को होने वाले लाभ और भविष्य में परीक्षाओं की पूर्व तैयारी कर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु मार्गदर्शन विद्यार्थियों को दिया गया। महापौर संजय पांडे ने सरस्वती साइकिल योजना के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि मां सरस्वती का वरदान है जिसे सभी बच्चों को शिक्षा के प्रति आशीर्वाद मिले। इस अवसर पर प्राथमिक शाला से लीना देवांगन, माध्यमिक शाला से प्रधान

अध्यापिका रासमीन खान, उमेश प्रताप सिंह, इंदिरा मथरानी, विशाल देवांगन, सीएससी पुरुषोत्तम पांडे, हायर सेकेंडरी स्कूल से चंद्रप्रकाश देवांगन, अमिल शुक्ला, अमिराम पटेल, सतपाल शर्मा, आशा पटनायक, अंजू रावत, भारती नामदेव, रोशनी शिंदे, नीतू शर्मा, योजना देवांगन, सिद्धार्थ शेखर रथ और शाला परिचार के सभी स्टाॅफ उपस्थित रहे।

कलश यात्रा के साथ होगा धार्मिक शुमारंम आज

जगदलपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के आयोजन को लेकर पंजाब सनातन धर्म समा की युवा कार्यकारिणी की बैठक शुक्रवार को की गई। बैठक में विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कल 29 अगस्त से शुरू होने वाली कलश यात्रा से लेकर 3 सितंबर को निकाली जाने वाली शोभायात्रा तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया। आयोजन में श्रद्धालुओं की सहभागिता, कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था, यातायात, प्रसाद सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई। 5 सितंबर को आयोजित होने वाले महाभंडारे की व्यवस्था का दायित्व भी समा के युवा सदस्यों को सौंपा गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने महोत्सव के सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सक्रियता और पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

अवैध अंग्रेजी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार



गौदम। जिले में अवैध शराब के कारोबार एवं गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा ऐसे कृत्यों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने निरीक्षक अजीत सिंह राजपूत के नेतृत्व में थाना बारसूर पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई की। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि बारसूर क्षेत्र में विद्युत सब स्टेशन के सामने खाली प्लाट में एक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से शराब बिक्री करने के उद्देश्य से बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब रखी गई है। सूचना की तत्पदी एवं आवश्यक

बस्तर अंचल में उत्साह से मनाया गया भाई-बहन के प्रेम का पर्व
बहनों ने भाइयों को तिलक लगाकर लंबी उम्र की कामना की, भाइयों ने दिया सुरक्षा का वचन

हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को नगर और पूरे बस्तर अंचल में हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया

- भद्रा का साया नहीं होने से सुबह से ही शुरू हुआ राखी बांधने का सिलसिला

गया। इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं होने के कारण बहनों को राखी बांधने के लिए किसी विशेष मुहूर्त का इंतजार नहीं करना पड़ा। सुबह से ही शहर में रक्षाबंधन की रौनक दिखाई देने लगी। नए परिधान पहनकर बहनें भाइयों को विधि-विधान के साथ राखी बांधकर उनके सुखी, स्वस्थ समृद्ध जीवन की कामना की। राखी बांधने के दौरान बहनों ने भाइयों का तिलक किया, आरती उतारी और मिठाई खिलाकर उनकी लंबी उम्र तथा निरोगी काया की कामना की। भाइयों ने इस पवित्र अवसर पर अपनी बहनों को उपहार भेंट किए। किसी ने कपड़े, किसी ने आभूषण तो किसी ने नगदी और उनकी पसंद के उपहार देकर बहनों को खुश किया। भाइयों ने बहनों की हर परिस्थिति में रक्षा करने और उनके सुख-दुख में साथ खड़े रहने का संकल्प लिया।



रक्षाबंधन को लेकर सुबह से ही शहर की सड़कों पर चहल-पहल नजर आई। हाथों में राखी और मिठाई लिए बहनें भाइयों के घर जाती दिखाई दीं। कई परिवारों में दूर रहने वाली बहनें भी विशेष रूप से अपने मायके या भाइयों के घर पहुंचीं। वहीं जो बहनें किसी कारणवश भाइयों के पास नहीं पहुंच सकीं, उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से शुभकामनाएं दीं और वीडियो कॉल के जरिए रक्षाबंधन का पर्व मनाया। छोटे बच्चों में भी रक्षाबंधन को लेकर ख़ासा उत्साह रहा। बहनों ने अपने छोटे भाइयों को रंग-बिरंगी राखियां बाँधीं तो भाइयों ने भी उन्हें उपहार देकर खुश किया।

बाजारों में रौनक रही

रक्षाबंधन के चलते शहर के प्रमुख बाजारों में काफी रौनक रही। राखी, मिठाई, कपड़े और उपहारों की दुकानों में लोगों की आवाजाही बनी रही। बाजारों में



विभिन्न डिजाइनों और रंगों की राखियां आकर्षण का केंद्र रहीं। बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर और आकर्षक डिजाइन वाली राखियों की भी मांग रही। वहीं महिलाओं ने भाइयों के लिए पारंपरिक से लेकर आधुनिक डिजाइन की राखियां खरीदीं।

गोबर से बनी राखी अपनाने किया प्रेरित

मिठाई दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ देखने को मिली। रक्षाबंधन के चलते मिठाई और उपहारों की खरीदारी के लिए लोग सुबह से ही बाजार पहुंचने लगे थे। इस बार गोमय राखी अपनाने का संदेश

भी लोगों के बीच पहुंचाया गया। गौ सेवा अभियान से जुड़े लोगों ने प्लास्टिक और झिल्ली जैसी सामग्री से तैयार फैसी राखियों के स्थान पर प्राकृतिक सामग्री से बनी गोमय राखी को अपनाने की अपील की। ऐसी राखियां पर्यावरण के अनुकूल विकल्प हो सकती हैं और इनके उपयोग से प्लास्टिक कचरे को कम करने में मदद मिल सकती है। गोमय यानि गोबर से बनी राखी को प्राकृतिक एवं जैविक विकल्प बताते हुए लोगों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान में गोमय राखी से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने जैसे स्वास्थ्य संबंधी दावे भी किए गए हैं, जिन्हें वैज्ञानिक प्रमाणों के आधार पर ही देखा जाना चाहिए।

रिशतों में मिठास घोल गया पर्व

रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट रिश्ते और प्रेम का संदेश देते हुए उत्साहपूर्वक मनाया गया। भाइयों की कलाई में सजी राखियों और भाइयों की ओर से दिए गए उपहारों के बीच परिवारों में खुशियों का माहौल रहा। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने रक्षाबंधन की तस्वीरें और शुभकामनाएं साझा कीं। पर्व ने भाई-बहन के रिश्ते में स्नेह, विश्वास और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया।

एकल अभियान की बहनों ने जवानों को बांधा रक्षा सूत्र



हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर केरिपुबल रेंज जगदलपुर के जवानों ने हर्षोल्लास के साथ

- केरिपुबल रेंज जगदलपुर में मना रक्षाबंधन का पर्व

एकल अभियान एन.जी.ओ., के साथ भाईचारे एवं सुरक्षा का संकल्प रक्षा बंधन का त्यौहार मनाया। इस अवसर पर केरिपुबल रेंज के उप महानिरीक्षक एस. अरुल कुमार, एवं मनीष स्वर्सेना उप कमाण्डेंट की उपस्थिति में बहनों ने अधिकारियों तथा कार्मिकों की कलाई पर रक्षा सूत्र राखी बांधकर उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। डीआईजी ने कहा रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के

अटूट प्रेम, विश्वास एवं सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। इस अवसर पर जवानों ने देश की एकता, अखण्डता एवं नागरिकों की सुरक्षा के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने अधिकारियों एवं जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सीमाओं से लेकर आंतरिक सुरक्षा तक प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा एवं राष्ट्र की सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस उपलक्ष्य में बहनों द्वारा बांधी गई राखी जवानों के लिए केवल एक धागा नहीं बल्कि देश वासियों के विश्वास स्नेह एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी का प्रतीक है। कार्यक्रम के अंत में उप महानिरीक्षक ने रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी तथा आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाने का संदेश दिया।

मानपुरी थाने पहुंचे कबीर पंथ अनुयायी, महिला प्रतिनिधियों ने जवानों को बांधी राखी

हरिभूमि न्यूज़ ►► बस्तर

सदगुरु कबीर धर्मदास वंशावली मिशन जिला बस्तर की महिला प्रतिनिधियों ने रक्षाबंधन के पावन पर्व के उपलक्ष्य में भानपुरी पुलिस थाना पहुंचकर एक अनूठी पहल की। मिशन की महिलाओं ने थाने में पदस्थ पुलिस अधिकारियों और जवानों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। उन्होंने सभी जवानों का मुंह मीठा कराया, नारियल भेंट किया और सदगुरु कबीर साहब की कृत आरती गाकर पूरे माहौल को भक्तिमय कर दिया। महिलाओं ने दिन-रात



मुस्तेदी से कानून व्यवस्था संभालने और जनता की सुरक्षा में तैनात रहने वाले पुलिसकर्मियों की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य

और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। थाना प्रभारी हर्ष कुमार धुरंधर ने बहनों से राखी बंधवाने के बाद पूरी निष्ठा से उनकी रक्षा

केंद्रीय विद्यालय के बच्चों ने सीआरपीएफ 229 बटालियन के जवानों को बांधी राखी

हरिभूमि न्यूज़ ►► बीजापुर

केंद्रीय विद्यालय बीजापुर एवं सीआरपीएफ बटालियन क्रमांक 229 मुख्यालय बीजापुर के संयुक्त तत्वावधान में 27 अगस्त को राखी पर्व का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने सीआरपीएफ जवानों के साथ राखी पर्व मनाते हुए उनकी कलाई पर राखी बांधी। कार्यक्रम में बटालियन क्रमांक 229 के द्वितीय कमान अधिकारी राजेश कुमार सिंह, उप कमांडेंट कुनाल कुमार एवं सहायक कमांडेंट योगेन्द्र अधिकारी सहित जवान उपस्थित रहे। केंद्रीय विद्यालय बीजापुर की ओर से प्रभारी प्राचार्य दशरथ बाडमेरा भी कार्यक्रम में शामिल हुए। राखी उत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने जवानों की कलाई पर राखी बांधकर



उनके साथ स्नेह और आत्मीयता का रिश्ता कायम किया। इस दौरान विद्यार्थियों और जवानों के बीच भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की भावना देखने को मिली। विद्यालय परिवार की ओर से देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के प्रति स्नेह और कृतज्ञता भी व्यक्त की गई।

इस अवसर पर विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका अनीता शाक्या एवं

शिवा बनोट सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में देश की रक्षा में समर्पित जवानों के प्रति सम्मान, भाईचारा, सामाजिक सद्भाव एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को विकसित करना रहा। राखी पर्व का यह आयोजन विद्यार्थियों और जवानों के लिए भावनात्मक एवं प्रेरणादायक अनुभव रहा।

ब्रह्माकुमारी दीदी ने महापौर को बांधा रक्षासूत्र



हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ब्रह्माकुमारी मंजुला दीदी ने महापौर संजय पांडेय के निवास पहुंचकर उन्हें रक्षासूत्र

- प्रेम-शांति और सद्भाव का दिया संदेश, परिवार के सभी सदस्यों को राखी बांधकर दिया स्नेह एवं आशीर्वाद

- महापौर ने कहा रक्षाबंधन केवल पर्व नहीं, संस्कार और सामाजिक सद्भाव का संदेश है

राखी बांधी। इस अवसर पर उन्होंने परिवार के सभी सदस्यों को भी राखी बांधकर स्नेह, शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया। मंजुला दीदी ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्षा का यह पवित्र सूत्र केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रेम, पवित्रता, विश्वास, आत्मीयता, शांति और एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने सभी के सुखी, स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन की कामना करते हुए परिवार

के सदस्यों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति की उस महान परंपरा का पर्व है, जिसमें रिश्तों के साथ-साथ कर्तव्य और संस्कार भी जुड़े हुए हैं। राखी का धागा हमें केवल एक-दूसरे की रक्षा का संकल्प नहीं देता, बल्कि समाज में प्रेम, विश्वास, करुणा, शांति और सद्भाव को मजबूत करने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा आध्यात्मिक जागृति, सकारात्मक चिंतन, सामाजिक सद्भाव, नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण तथा मानव सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। संस्था लोगों को बाहरी सुख-सुविधाओं के साथ-साथ आंतरिक शांति और आत्मिक शक्ति की ओर भी प्रेरित करती है। आज के तनावपूर्ण और तेजी से बदलते जीवन में आध्यात्मिक चेतना एवं सकारात्मक विचारों की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि राखी का यह छोटा-सा धागा भावनाओं में बहुत बड़ा होता है। इसमें बहन का स्नेह, भाई का संकल्प, परिवार का विश्वास और समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी छिपी होती है।

जवानों ने छात्राओं से बंधवाई राखी दिखा भाई-बहन का स्नेह



गौदम। 195वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल मुख्यालय में शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास और भावनात्मक माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने जवानों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों के छात्राओं ने जवानों की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें अपना भाई माना और उनके सुखद, सुरक्षित एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। वहीं जवानों ने भी बहनों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनकी सुरक्षा और हर परिस्थिति में साथ

देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जवानों ने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक धागे का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, स्नेह और आपसी जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस दौरान द्वितीय कमान अधिकारी राजकुमार, उप कमांडेंट संजीत कुमार, सहायक कमांडेंट तथा जवाहर नवोदय विद्यालय के उपप्राचार्य धर्मेन्द्र कुमार यादव सहित वाहिनी के अधिकारी, जवान एवं शिक्षक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में जवाहर नवोदय विद्यालय की छात्राओं ने जवानों को मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में छात्राओं ने बांधी जवानों की कलाईयों में राखी

हरिभूमि न्यूज़ ►► कोटा

217 बटालियन सीआरपीएफ जवानों के साथ डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल के छात्राओं ने रक्षाबंधन का पवित्र त्यौहार हर्ष एवं उत्साह के साथ मनाया। देश की सुरक्षा में तैनात बल के जवानों के प्रति सम्मान और स्नेह प्रकट करते हुए डीएव्ही

- 217 बटालियन सीआरपीएफ कोटा में धूमधाम से मनाया गया पर्व

स्कूल की छात्राओं एवं बहनों ने 217 वी वाहिनी मुख्यालय पहुंचकर जवानों की कलाई पर रक्षा-सूत्र राखी बांधा। इस अवसर पर बहनों ने जवानों के दीर्घायु होने एवं उत्तम स्वास्थ्य और सफलता की कामना करते हुए उनको तिलक लगाकर जवानों का मुंह मीठा किया। सीमा और देश की सुरक्षा में अपना से दूर तैनात जवानों ने भी बहनों को सुरक्षा का वचन



दिया और उपहार भेंट किए।

वाहिनी के कमांडेंट विजय शंकर ने उपस्थित सभी बहनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्षाबंधन का यह पर्व केवल भाई बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक ही नहीं है बल्कि यह हमारे जवानों को यह एहसास भी कराता है कि पूरा देश उनका परिवार है। अपने घर-परिवार से दूर रहने के बावजूद बहनों के इस स्नेह से जवानों का मनोबल

और देश सेवा का जज्जा कई गुना बढ़ जाता है। इसके साथ डीएव्ही स्कूल के प्राचार्य पूरन चंद्र पात्रा ने इस पावन अवसर पर जवानों के अदम्य साहस और वीरता के बारे में बच्चों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम के दौरान 217 वी वाहिनी के विजय कुमार, उप कमांडेंट, डॉ. मनदीप सिंह, एस.एम.ओ. एवं राजा इलम पारिथी, उप कमांडेंट, अधीनस्थ अधिकारी गण तथा जवान उपस्थित रहे।

online Booking- www.tripuryatra.com

सुविधा, ज्यादा सबसे कम राशि पर

स्पेशल ट्रेन से - 19 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2026 (11 दिन)

कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर

रामेश्वरम् धाम यात्रा

श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरुपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी

राशि - स्त्रीपर 16,500/-, 3 एसी-27,500/-, 2 एसी 32,500/- (+5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RAJUB- 934, Sector-4, Kamei Vihar, KOREA- Shop No. 311, 312, 313 S.S. Plaza, Preeti Nagar Road

संपर्क करें:- 7354-411411